University in News on 02 July 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

नए कानूनों की दी जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की संस्था प्रो. बोनो क्लब की ओर से सोमवार नए आपराधिक कानूनों पर वेबिनार हुआ। डीन प्रो. बीडी सिंह ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों का उद्देश्य अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के साथ ही पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना है। वेबिनार के संयोजक डॉ. आलोक यादव ने कहा कि यह कानून न्याय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी व न्यायपूर्ण बनाने का काम करेंगे। वेबिनार में विधि संकाय के 200 से अधिक विद्यार्थी शामिल रहे। (संवाद)

लविवि : आठ विषयों के परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विवि ने सम सेमेस्टर परीक्षाओं के आठ विषयों के परीक्षा परिणाम सोमवार को घोषित कर दिए। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा विभाग ने जिन विषयों के परिणाम जारी किए हैं उसमें एमएससी, बीए, बीसीए, बीएससी एग्रीकल्चर, बीए एनईपी, एलएलबी के दूसरे, चौथे व छठे सेमेस्टर के विषय शामिल हैं।

i-NEXT PAGE 4

बीए सहित आठ कोर्सों के परिणाम जारी

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को कई कोर्सों के सम सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए. इनमें बीए, बीए (एनईपी), बीसीए कंप्यूटर एप्लीकेशन, बीएससी एग्रीकल्चर (आनर्स) एनईपी, एलएलबी (तीन वर्षीय एनईपी) छठे सेमेस्टर, बीएससी एग्रीकल्चर (आनर्स) एनईपी आठवें, एमएससी रिनेवेबल एनर्जी दूसरे व चौथे सेमेस्टर के रिजल्ट शामिल हैं.

स्टूडेंट्स पढ़ेंगे नए आपराधिक कानून

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के लॉ के स्टूडेंट्स नए सत्र से तीनों नए आपराधिक कानूनों के बारे में अब कोर्स में पढ़ेंगे. विधि संकाय ने इन तीनों कानूनों को एलएलबी में शामिल करके संशोधित कोर्स तैयार कर लिया है. 10 जुलाई को होने वाले बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में पाठ्यक्रम को मंजूरी के लिए रखा जाएगा.

JAGRAN CITY PAGE III

बीए सहित आठ कोर्सों के परिणाम जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को कई पाठ्यक्रमों के सम सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए। इनमें बी.ए, बी.ए (एनईपी), बी.सी.ए कंप्यूटर एप्लीकेशन, बी.एससी एग्रीकल्चर (आनर्स) एनईपी, एल.एल.बी (तीन वर्षीय एनईपी) छठे सेमेस्टर, बी.एससी एग्रीकल्चर (आनर्स) एनईपी आठवें, एम.एससी रिनेवेबल एनर्जी दूसरे व चौथे सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम शामिल हैं। (जासं)

लवि में पौधरोपण

लखनऊ : सोमवार को लवि के प्राणीशास्त्र और जैव रसायन विभाग के परिसर में पौधारोपण अभियान शुरू किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वन्यजीव विज्ञान संस्थान, और उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की ओर से किया गया। इसमें विद्यार्थियों, विभाग के शिक्षकों ने प्रतिभाग कर विभिन्न प्रकार के स्वदेशी प्रजाति वाले पौधे लगाए। इस मौके पर विभाग के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद सेराजुद्दीन, जैव रसायन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर सुधीर मेहरोत्रा उपस्थित रहे। (जासं)

PIONEER PAGE 4

नए आपराधिक कानूनों पर आयोजित हुई कार्यशाला

लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय के विधि संकाय की प्रतिष्ठित संस्था प्रो बोनो क्लब के द्वारा सोमवार को एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें नए आपराधिक कानूनों पर चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्घाटन विधि संकाय के प्रमुख डॉ बी डी सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि नए आपराधिक कानून का उद्देश्य अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के साथ-साथ पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना है। कार्यशाला के संयोजक तथा प्रो बोनो के प्रभारी डॉ आलोक कुमार यादव ने बताया कि यह कानून न्याय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और न्यायपूर्ण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यशाला में 200 से ज्यादा विधि छात्र, विधि विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला में विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, जैसे कि अपराध की परिभाषा, सजा की नई विधियां, और अपराधियों के पुनर्वास के उपाय। कार्यशाला में वक्ता के तौर पर विधि संकाय के प्रोफेसर डॉ आर के सिंह, डॉ रिचा सक्सेना और डॉ चंद्र सेन प्रताप सिंह ने क्रमशः भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 पर व्याख्यान दिया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में स्वदेशी पौधों के साथ हुआ पौधरोपण

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। वन महोत्सव के उपलक्ष्य में पर्यावरण जागरूकता और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र और जैव रसायन विभाग के परिसर में वृक्षारोपण अभियान आयोजित कियागया। इस कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण सूचना, जागरूकता, क्षमता निर्माण और आजीविका कार्यक्रम (ईआईएसीपी-पीसीआरपी), वन्यजीव विज्ञान संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय, और उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड (यूपीएसबीबी) द्वारा नील जहान फाउंडेशन और एक पहल मुस्कुराहट की वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से किया गया था।

पौधरोपण अभियान में छात्रों, विभागीय सदस्यों और सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्थानीय जैव विविधता को पुनर्स्थापित और संरक्षित करने के महत्व को उजागर करते हुए विभिन्न प्रकार के स्वदेशी पेड़ प्रजातियों का रोपण किया गया। प्राणीशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो मोहम्मद सिराजुद्दीन ने छात्रों और समुदाय के बीच प्रकृति के साथ गहरे संबंध को बढ़ावा देने में इस तरह की पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना केवल हमारे आस-पास के सौंदर्यीकरण के बारे में नहीं है; यह एक स्थायी भविष्य बनाने के बारे में है। आज हम जो प्रत्येक पौधा लगाते हैं वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण में योगदान करेगा। जैव रसायन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर सुधीर मेहरोत्रा ने इस विचार का समर्थन करते हुए कहा, ‘यह सहयोगात्मक प्रयास पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान में अंतःविषयक दृष्टिकोणों के महत्व को रेखांकित करता है। साथ मिलकर काम करके, हम अधिक प्रभाव प्राप्त कर सकते हैं और दूसरों को कार्रवाई करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में वन्यजीव विज्ञान संस्थान एवं प्राणिविज्ञान विभाग की प्रोफेसर अमिता कनौजिया द्वारा जैव विविधता संरक्षण और स्थायी प्रथाओं पर जागरूकता अभियान भी शामिल था। प्रतिभागियों ने स्वदेशी पौधों के पारिस्थितिक महत्व, आक्रामक प्रजातियों से उत्पन्न खतरों और पर्यावरणीय संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी की भूमिका के बारे में सीखा।

AMRIT VICHAR PAGE 5

नया कानून अपराधियों को कड़ी सजा दिलाएगा : डॉ. बीडी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्विद्यालय के विधि संकाय की संस्था प्रो. बोनो क्लब की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नए आपराधिक कानूनों पर चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्घाटन विधि संकाय के प्रमुख डॉ. बीडी सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानून का उद्देश्य अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के साथ-साथ पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना है। कार्यशाला में 200 से ज्यादा विधि छात्र, विधि विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला में अपराध की परिभाषा, सजा की नई विधियां और अपराधियों के पुनर्वास के उपाय से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की गई।

समर्थ पोर्टल से ऋण स्थानांतरण आसान

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में आंकड़ा एकीकरण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल कार्यान्वयन के लिए विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी कॉलेजों को समर्थ पोर्टल से अनिवार्य रूप से जुड़ना होगा। इससे ऋण स्थानांतरण होना आसान हो जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा सहित अन्य उपस्थित रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

नए आपराधिक कानूनों पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय के विधि संकाय की प्रतिष्ठित संस्था प्रोफेसर बोनो क्लब ने एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें नए आपराधिक कानूनों पर चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्घाटन विधि संकाय के प्रमुख डॉ.बीडी सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने अपने कहा कि नए आपराधिक कानून का उद्देश्य अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के साथ-साथ पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना है। कार्यशाला के संयोजक तथा प्रोफेसर बोनो के प्रभारी डॉ.आलोक कुमार यादव ने बताया कि यह कानून न्याय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और न्यायपूर्ण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यशाला में 200 से ज्यादा विधि छात्र, विधि विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला में विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई जिसमें, अपराध की परिभाषा, सजा की नई विधियां और अपराधियों के पुनर्वास के उपाय। कार्यशाला में वक्ता के तौर पर विधि संकाय के प्रोफेसर डॉ.आरके सिंह, डॉ.रिचा सक्सेना और डॉ.चंद्र सेन प्रताप सिंह ने क्रमशः भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 पर व्याख्यान दिया।

HINDUSTAN PAGE 6

फोन इन

एलयूकुलपतिप्रो. आलोक रायसे आज करें सवाल

हिन्दुस्तान की पहल पर दो जुलाई मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय फोन इन कार्यक्रम के तहत हिन्दुस्तान कार्यालय में पाठकों के सवालों का जवाब देंगे। कुलपति से एलयू के विभिन्न कोर्सों, प्रवेश से संबंधित दिक्कतों से जुड़े सवाल किए जा सकते हैं। 12वीं के बाद स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रमों के बारे में भी जाना जा सकता है। कुलपति प्रो. राय से सुबह 11 से दोपहर 12 बजे के बीच मोबाइल नंबर 8707672266, 8840680317 पर बात की जा सकती है। इसके अलावा आप अपने सवाल इन नम्बरों पर व्हाट्सएप भी कर सकते हैं।

नये आपराधिक कानूनों पर आयोजित हुई कार्यशाला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की प्रतिष्ठित संस्था प्रो बोनो क्लब के तत्वावधान में सोमवार को एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें नये आपराधिक कानूनों पर चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्घाटन विधि संकाय के प्रमुख डॉ बीडी सिंह ने किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि नए आपराधिक कानून का उद्देश्य अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के साथ-साथ पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना है। कार्यशाला के संयोजक तथा प्रो बोनो के प्रभारी डॉ आलोक कुमार यादव ने बताया कि यह कानून न्याय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और न्यायपूर्ण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यशाला में 200 से ज्यादा विधि छात्र, विधि विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला में विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, जैसे कि अपराध की परिभाषा, सजा की नई विधियां और अपराधियों के पुनर्वास के उपाय। कार्यशाला में वक्ता के तौर पर विधि संकाय के डॉ आरके सिंह, डॉ रिचा सक्सेना और डॉ चंद्र सेन प्रताप सिंह ने क्रमशः भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 पर व्याख्यान दिया।